Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor
D.B. college Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga
Dept. of Psychology.

Study material
B.A. Part-I (Gen./Sub.)
Date:- 12-11-2020
Lecture NO.-16

Theories of Perceptual Activity:-
Gestalt Theory:- Figure & Background.

आकृति पृष्ठभूमि प्रत्यक्षीकरण (Figure-ground Perception):- गेस्टाल्ट सिद्धांत के अनुसार व्यक्ति किसी भी वस्तु का प्रत्यक्षीकरण अंश में न करके उसके पूर्ण रूप में करता है। जैसे किसी व्यक्ति का चेहरा जब हम देखते हैं, तो उसकी नाक, कान, आँख, माथा इत्यादि अलग नहीं देखते वरण चेहरे का संपूर्ण प्रत्यक्षीकरण करते हैं। जब किसी व्यक्ति विशेष वस्तु का प्रत्यक्षीकरण करता है, तो उस वस्तु विशेष का कुछ भाग अत्यन्त स्पष्ट दिखाई पड़ता है, जबकि कुछ भाग तुलनात्मक रूप से कम दिखायी पड़ता है, जबकि कुछ जो भाग अत्यन्त स्पष्ट दिखाई देता है उसे आकृति (Figure) तथा जो भाग कम स्पष्ट दिखाई देता है उसे पृष्ठभूमि (Background) कहा जाता है। इस प्रकार प्रत्यक्षण को आकृति-पृष्ठभूमि प्रत्यक्षीकरण (Figure-ground Perception) कहा जाता है। जैसे हम आकाश में देखते हैं तो हमें चन्द्रमा स्पष्ट दिखायी पड़ता है अतः यहाँ आकाश पृष्ठभूमि तथा चन्द्रमा स्पष्ट आकृति का द्योतक है। सर्वप्रथम रूबिन (रूबिन Rubin - 1915-1921) ने आकृति पृष्ठभूमि गोचर का अध्ययन किया और परिणाम निकाला कि हमारा प्रत्यक्षीकरण आकृति और पृष्ठभूमि दो भागों में बंट जाता है जिसके चारों ओर एक सीमा होती है।

हमारे दृष्टि क्षेत्र में अनेक उद्दीपक पाये जाते हैं जिनमें रंग, चमक, रूप तथा आकार सम्बंधी विभिन्नतायें पायी जाती है अर्थात उनका उनमें वितरण

में अन्तर पाया जाता है। उद्दीपकों का सरलता से प्रत्यक्षीकरण उन्हीं विभिन्नताओं के कारण ही होता है। यदि उन्हीं विभिन्नताओं के कारण ही होता है। यदि उन्हीं का वितरण समान (homogenous) हो और उसमें विषमता ना पायी जाय, तो आकृति पृष्ठभूमि में अन्तर करना कठिन होगा जब दृष्टि क्षेत्र में विद्यमान उद्दीपकों का भौतिक उन्हीं समान रूप से वितरित हो तो ऐसा उद्दीपक क्षेत्र मनोवैज्ञानिक शब्दावली में गेन्जफील्ड (Ganzfeld) कहलाता है।

आकृति तथा पृष्ठभूमि में अन्तर

आकृति	पृष्ठभूमि
(i) आकृति का निश्चित आकार होता है।	(i) पृष्ठभूमि आकारहीन होती है।
(ii) आकृति सदैव पृष्ठभूमि पर उभरी होती है।	(ii) पृष्ठभूमि सदैव आकृति के पीछे होती है।
(iii) आकृति अधिक प्रभावपूर्ण एवं स्मरणीय होती है।	(iii) पृष्ठभूमि अनिश्चित होने के कारण प्रभावहीन होती है।
(iv) आकृति का स्थान निश्चित तथा स्थित होता है।	(iv) पृष्ठभूमि का विस्तार अनंत हो सकता है।

Next class